[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7420 **L**

Unique Paper Code : 2103200014

Name of the Paper : Philosophy of Language

Name of the Course : **BA Philosophy DSE (NEP-UGCF)**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **Five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Explain the Sphoṭa theory with special reference to Patañjali's 'Grammatical' perspective.
   पतंजलि के 'व्याकरणिक' दृष्टिकोण के विशेष संदर्भ में स्फोट सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
2. Explain in detail Bhartṛhari's metaphysical conception of Sphoṭa as the indivisible unit of meaning.
   अर्थ की अविभाज्य इकाई के रूप में भर्तृहरि की स्फोट की तत्वमीमांसीय अवधारणा को विस्तार से समझाइए।

3. Elaborate on the debates between the Grammarians (Vaiyākaraṇas) and the Logicians (Naiyāyikas) regarding the nature of words and their referents.

शब्द की प्रकृति और उनके संदर्भों के संबंध में वैयाकरणों और नैयायिकों के बीच होने वाले वाद-विवाद की व्याख्या कीजिए।

4. Discuss the complexities of translating the term 'Śabda' into Western philosophical categories, as analyzed by B.K. Matilal.

बी.के. मतिलाल द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार, 'शब्द' पद को पश्चिमी दार्शनिक श्रेणियों में अनुवाद करने की जटिलताओं की विवेचना कीजिए।

5. Explain in detail the Saussure's concept of the 'Linguistic Sign' and its arbitrary nature.

सॉसोर के 'भाषाई संकेत' और इसकी यादृच्छिक प्रकृति की संकल्पना को विस्तार से समझाइए।

6. What does Gottlob Frege mean by 'Thought' in his article 'Thought: A Logical Inquiry'? Explain how it differs from private ideas.

गॉटलॉब फ्रेगे के लेख 'थॉट: ए लॉजिकल इंक्वायरी' में 'विचार' का क्या अर्थ है? यह व्यक्तिगत प्रत्यय (आईडिया) से कैसे भिन्न है, व्याख्या कीजिए।

7. Explain Kripke's arguments for 'Rigid Designators' and their role in the relationship between identity and necessity.

क्रिपके के 'अपरिवर्तनीय संकेतक' (रिजिड डेजिग्नेटर्स) के तर्कों और तादात्म्यता (आईडेंटिटी) तथा अनिवार्यता (नेसेसिटी) के बीच के संबंध में उनकी भूमिका की व्याख्या कीजिए।

8. Discuss why John Perry believes that indexical like 'I', 'here', and 'now' are essential for human action and cannot be replaced by objective descriptions.

जॉन पेरी क्यों मानते हैं कि 'मैं', 'यहाँ' और 'अभी' जैसे अनुक्रमणी (इंडेक्सिकल) मानवीय क्रिया के लिए अनिवार्य हैं और उन्हें वस्तुनिष्ठ विवरणों द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता, विवेचना कीजिए।

9. Write in detail how the reference of 'Indexical' shifts and sentences like 'I am not here now' become meaningful, based on Stefano Predelli's article.

स्टेफानो प्रेडली के लेख के आधार पर विस्तार से लिखिए कि 'अनुक्रमणी' (इंडेक्सिकल) का संदर्भ कैसे बदलता है और 'आई एम नॉट हियर नाउ' जैसे वाक्य अर्थपूर्ण कैसे बनते हैं।